

खबर संक्षेप

मदनपुर में मजिस्ट्रेटी जांच: एसडीएम और वन विभाग की गाड़ियों से हटे हूटर

मैहर। जिले के बंदरा थाना क्षेत्र के भदनपुर में प्रशासन और पुलिस की संयुक्त टीम ने सघन वाहन जांच अभियान चलाया। इस दौरान नियमों का उल्लंघन करने वाली एसडीएम लिखी गाड़ी और वन विभाग के वाहन से हूटर व ब्लैक फिल्म हटवाई गई। कार्रवाई से ओवरलोड ट्रकों की आवाजाही थम गई।

पेड़ों को भाई मानकर बांधी राखी: जैव विविधता समापति ने दिया अनूठा संदेश

मैहर। जनपद पंचायत की जैव विविधता प्रबंधन सभापति श्रीमती प्रिया प्रभात द्विवेदी ने प्रकृति संरक्षण की अनूठी मिसाल पेश की। उन्होंने परिवार सहित पेड़ों को भाई मानकर तिलक किया, आरती उतारी और उनकी रक्षा का संकल्प लेते हुए पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

गरीब बस्ती में मनाया

रक्षाबंधन: जरूरतमंद

बहनों ने बांधी राखी

मैहर। सरना पैलेस और सराय मोहल्ले में गरीब व जरूरतमंद परिवारों के बीच पहुंचकर रक्षाबंधन का पर्व हर्षोल्लास से मनाया गया। स्थानीय जनप्रतिनिधियों और गणमान्य नागरिकों ने बेटियों व बहनों से राखी बंधवाकर मिठाई बांटी और सामाजिक समरसता का संदेश दिया।

मैहर में राष्ट्रीय खेल दिवस पर गुंजा खेलों का उत्साह: बारिश में भी दिखाया दमखम

मैहर। खेल मैदान में राष्ट्रीय खेल दिवस पर साइकिल रेस, योग और बैडमिंटन प्रतियोगिताएं आयोजित हुईं। तेज बारिश के बावजूद खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। साइकिल रेस के बालक वर्ग में कान्हा विश्वकर्मा और बालिका वर्ग में कीर्ति कुशवाहा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

जनविश्वास शिविर में सुनी गई समस्याएं: 32 आवेदन हुए प्राप्त

मैहर। मुख्यमंत्री जनविश्वास शिविर में सांसद गणेश सिंह और कलेक्टर बिदिशा मुखर्जी सहित तमाम अधिकारियों ने नागरिकों की समस्याएं सुनीं। शिविर में प्राप्त 32 आवेदनों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए अधिकारियों को स्वास्थ्य परीक्षण, आयुष्मान कार्ड और दिव्यांग योजनाओं का लाभ देने के निर्देश दिए गए।

राहत और बचाव के लिए उतरे दो हेलीकॉप्टर



चित्रकूट और सतना में बाढ़ का तांडव

मंदाकिनी उफान पर, टापू बना चित्रकूट

सतना/चित्रकूट। जिले में मानसून की मूसलाधार बारिश ने पिछले कई दशकों के रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। लगातार करीब 14 घंटों की भारी बारिश के बाद धार्मिक नगरी चित्रकूट और सतना जिले के कई हिस्से बाढ़ की चपेट में आ गए हैं। हालात इतने भयावह हो गए हैं कि स्थानीय लोगों के मुताबिक, साल 2003 के बाद ऐसी भयंकर बाढ़ देखने को मिल रही है। प्रशासन, एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें युद्धस्तर पर रेस्क्यू ऑपरेशन में जुटी हैं।



धार्मिक नगरी चित्रकूट में मां मंदाकिनी नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है, जिससे शहर पूरी तरह टापू बन चुका है। नया गांव का मुख्य और सबसे बड़ा पुल पानी में पूरी तरह डूब गया है और उसकी रेलिंग भी टूट गई है। स्थिति इतनी विकट है कि पानी पुल के ऊपर से बह रहा है। प्राचीन मठ-मंदिरों और सैकड़ों घरों में कई फीट पानी भर जाने के कारण लोगों को अपनी जान बचाने के लिए छतों का सहारा लेना पड़ रहा है और सड़कों पर नावें चलानी पड़ रही हैं।



असंभव हो गया है। अपर कलेक्टर विकास सिंह, ए डी एम महिपाल सिंह गुर्जर, ए डि श न ल



नागरिकों से अत्यधिक सतर्कता बरतने की अपील की है। उन्होंने लोगों को जलभराव वाले क्षेत्रों, नदियों और जलाशयों से दूर रहने तथा उफानते पुल-पुलियों को पार न करने की सख्त हिदायत दी है। बाढ़ से निपटने के लिए चित्रकूट, पिंडरा और सतना में एसडीआरएफ की टीमें तैनात हैं, जबकि रीवा से अतिरिक्त टीमें बुलाई गई हैं। इसके साथ ही 3 एनडीआरएफ की टीमों भी मोर्चा संभालने के लिए तैनात कर दी गई हैं।

फंसे लोगों को निकालने के लिए उतरे दो हेलीकॉप्टर

चित्रकूट और आसपास के जलमग्न इलाकों में फंसे नागरिकों को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए शासन-प्रशासन ने एयर सपोर्ट का सहारा लिया है। प्रभावित क्षेत्रों में राहत पहुंचाने और रेस्क्यू के लिए दो हेलीकॉप्टर तैनात किए

ए स पी प्रेमलाल कर्वे भारी बारिश के चलते ग्रामीण और शहरी अंचल में भारी तबाही देखने को मिली है। उच्चेरा जनपद पंचायत के धनेह गांव में पिछले साल से रिस रहा बड़ा तालाब आखिरकार फूट गया, जिससे तेज बहाव का पानी पंचायत की बाउंड्री तोड़कर बाहर आ गया। कोठी के खम्भा खुजा गांव

गए हैं, जिनकी मदद से उन इलाकों में राहत पहुंचाई जा रही है जहां जमीनी रास्तों से पहुंचना पूरी तरह



ए स पी प्रेमलाल कर्वे भारी बारिश के चलते ग्रामीण और शहरी अंचल में भारी तबाही देखने को मिली है। उच्चेरा जनपद पंचायत के धनेह गांव में पिछले साल से रिस रहा बड़ा तालाब आखिरकार फूट गया, जिससे तेज बहाव का पानी पंचायत की बाउंड्री तोड़कर बाहर आ गया। कोठी के खम्भा खुजा गांव

धनेह का बड़ा तालाब फूटा, वेयरहाउस में घुसा पानी और रेलवे ट्रैक डूबे

चित्रकूट बना टापू, मंदाकिनी का रौद्र रूप और टूटा नयागांव का बड़ा पुल



स्थित वेयरहाउस में बाढ़ का पानी घुसने से पांच हजार मीट्रिक टन से ज्यादा धान और गेहूं पानी की चपेट में आ गया है।

ट्रेन यातायात प्रभावित

मानिकपुर-सतना और नैनी-मानिकपुर रेल खंड पर पटरियों पर जलभराव के चलते ट्रेनें घंटों खड़ी रहीं। आनंद विहार-रीवा सुपरफास्ट और सारनाथ एक्सप्रेस जैसी प्रमुख ट्रेनें रास्ते में प्रभावित हुई हैं।

प्रशासनिक लापरवाही और लापरवाही पर जनता की नाराजगी

एक तरफ जहां पूरा प्रशासनिक अमला बाढ़ से जूझ रहा है, वहीं दूसरी तरफ मैदानी अमले की लापरवाही भी सामने आई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, नगर निगम का 90 फीसदी अमला और कई जिम्मेदार अधिकारी -कर्मचारी (उपआयुक्त, ईई और सब इंजीनियर) फील्ड से नदारद नजर आए और कंट्रोल रूम के कॉल्स उठाने वाले भी नदारद रहे। इसके अलावा, उफानती सतना नदी और झरवाह नदी के किनारों पर खतरों के बावजूद लोग जान जोखिम में डालकर मछली पकड़ते और पुलों पर रील्स बनाते नजर आए, जिन्हें रोकने के लिए पुलिस को कड़ी मशक्कत करनी पड़ रही है।



सतना और चित्रकूट में बाढ़ का हाई अलर्ट, मंदाकिनी का जल स्तर घटा



सतना। सतना और चित्रकूट क्षेत्र में भारी बारिश और बाढ़ के हालात के बीच प्रशासन पूरी तरह मुस्तेद है। राहत की खबर यह है कि देर शाम चित्रकूट में उफान पर चल रही मंदाकिनी नदी का जलस्तर अब तेजी से घटने लगा है, हालांकि ऊपरी क्षेत्रों में तटीय इलाकों में अभी भी सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए हैं।

मंदाकिनी नदी के जलस्तर में राहत, घट रहा है पानी

चित्रकूट में मंदाकिनी नदी का जलस्तर आज रिकॉर्ड ऊंचाई तक पहुंच गया था। बान सागर के कार्यपालन यंत्री के अनुसार, नदी का पिछला अधिकतम उच्च बाढ़ स्तर (एचएफएल) 139.60 मीटर था, जो आज बढ़कर 130 मीटर से अधिक यानी 146.74 मीटर तक दर्ज किया गया। राहत की बात यह है कि शाम 5:05 बजे तक जलस्तर घटकर 141.26 मीटर पर आ गया है, जिससे शाम तक पानी में लगभग 5 मीटर की गिरावट दर्ज की गई है और जलस्तर लगातार कम हो रहा है।



टोंस हाइडल प्रोजेक्ट से पानी छोड़े जाने से कई गांव सतर्क

बर्दाही, कोरगवां, गजिगवां, रैरैया, ढोढी, भटीगवां, मैनुपुरा, गोलहटा, गढ़वा कला, टेढ़गवां, रजरवार, किचवैया, लौलाक्ष, खोहर, घटबेलवा, किटहा पेपखार, मांझीहार पैपाखार, गढ़वा खुर्द, रघुनाथपुर, मढ़ी, सोनवर्षा, खामहा, रामनगर, कन्दवा, थथौरा, माझीयार कोठार, पिपरछा, वनपरा, पथेपुर, रेहुता, बरती, बेला और क्षिबौरा।

सतना शहर में जलभराव से प्रभावितों के लिए सहायता केंद्र

अतिवृष्टि और जलभराव से प्रभावित नागरिकों की सहायता के लिए नगर पालिक निगम सतना द्वारा अस्थायी निवास और सहायता स्थलों की व्यवस्था की गई है। कृपालपुर क्षेत्र: मनीष वर्मा (जोनल अधिकारी) — 9754129296 नजीराबाद क्षेत्र: आकाश कुमार बट्टी (जोनल अधिकारी) — 9179080455

टोंस हाइडल प्रोजेक्ट से पानी छोड़ने पर अलर्ट जारी

ऊपरी क्षेत्रों में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश और पानी की आवक बढ़ने के कारण रामपुर बघेलान तहसील अंतर्गत टोंस हाइडल प्रोजेक्ट से 2500 क्यूसेक पानी छोड़ा गया है। इसके चलते रामपुर बघेलान और कोटर तहसील के तटीय क्षेत्रों में जलस्तर अचानक बढ़ सकता है। प्रशासन ने तटीय इलाकों में रहने वाले नागरिकों से तत्काल सुरक्षित स्थानों पर जाने की अपील की है। प्रभावित ग्राम: अकउना, अबेर, इटोर, मैनुपुरा, गोलहटा, गढ़वा कला, टेढ़गवां, रजरवार, किचवैया, लौलाक्ष, खोहर, घटबेलवा, किटहा पेपखार, मांझीहार पैपाखार, गढ़वा खुर्द, रघुनाथपुर, मढ़ी, सोनवर्षा, खामहा, रामनगर, कन्दवा, थथौरा, माझीयार कोठार, पिपरछा, वनपरा, पथेपुर, रेहुता, बरती, बेला और क्षिबौरा।



चित्रकूट में बाढ़ प्रभावितों के लिए 4

प्रमुख आश्रय स्थल

चित्रकूट में बाढ़ से प्रभावित लोगों के ठहरने और भोजन के लिए निशुल्क व्यवस्था के साथ 4 आश्रय स्थल बनाए गए हैं, जहां भोजन और आवास की पूरी सुविधा उपलब्ध है।

आश्रय स्थल का नाम

प्रमोद वन 300 लोग 9755532931, विकास प्राधिकरण बिल्डिंग 500 लोग, 6388281645 3 प्रमुख द्वार ट्रस्ट 400 लोग, 99932 41683, गायत्री आश्रम 300 लोग, 9415556537 है। आपातकालीन प्रशासनिक सहायता नंबर कमलेश भट्टरिया (तहसीलदार, चित्रकूट) 77010 79667 अंकित सोनी (सीएमओ) 79874 20141 कमलराज सिंह (उपयंत्री) 97555 32931 आदि नंबर आधिकारिक तौर पर जारी किए गए हैं।

खबर संक्षेप

गली-मोहल्लों में बिक रही शराब, जिम्मेदार बने अंजान

पन्ना पवित्र नगरी का दर्जा आखिरकार कैसे कौन नहीं जानता हर गली-मोहल्ले में शराब के बिकने को लेकर हालात तय है आखिरकार जिम्मेदार फिर भी या तो अंजान या फिर नजर अंदाज मिली भगत कहें तो अतिथ्योवित्त नहीं कैसे पवित्र नगरी का दर्जा बचा रहेगा।पन्ना। पन्ना नगर को लम्बे अर्से से पवित्र नगरी का दर्जा दिया गया वहीं मध्यप्रदेश की सरकार ने जहां पवित्र नगरी को ध्यान में रखकर मापदण्ड तय किये गये। शराब की दुकाने जो शासन से निश्चित थी कई दुकानों को शहर की सीमा से गांवों की ओर रूख करवाया गया। सवाल यह उठता है कि इसके बाद वर्तमान समय में जो हालात है क्या किसे से छिपे है जहां नगर के अंदर ही हर सड़क गली मोहल्लों में अवैध तरीके से शराब बेचे जाने की खबरें जनचर्चा में व्याप्त है आखिर कैसे कहें कि यहां पवित्र नगरी पन्ना बची हुई है। यहां निश्चितौर पर यह कहें तो अतिथ्योवित्त नहीं आखिर किसकी गर्जी से या किसकी सह पर नगर के अंदर ये हालात बने हुए है। इससे साफ जाहिर होता है कि या तो जिम्मेदार अंजान बने हुए है या फिर इनकी मिलीभगत को नकारा नहीं जा सकता। पवित्र नगरी का खिताब इस नगरी को कैसे उचित ठहराया जायेगा। जब हालात नगर के अंदर ही अवैध तरीके से शराब बिकने की खबरें समूचे नगर में चर्चा का विषय बनी हुई हैं।

कंप्यूटर ऑपरेटर अमित साहू का दुखद निधन



पन्ना। नगर पालिका पन्ना में विद्युत शाखा में कंप्यूटर ऑपरेटर पद के पर पद पर पदस्थ अमित साहू निवासी आगरा मोहल्ला का सड़क दुर्घटना में दुखद निधन हो गया है श्री साहू एसमुख मिलनसार तथा बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे उनके निधन पर नगर पालिका परिषद के पदाधिकारी कर्मचारियों एवं नागरिकों ने गहन दुःख व्यक्त करते हुए ईश्वर से यह बछपात सहन करने की शक्ति उनके परिवार को देने की कामना की है।

निःशुल्क स्वास्थ्य परामर्श शिविर 30 अगस्त को

पन्ना। शैल्बी हॉस्पिटल, जबलपुर एवं सकल दिगंबर जैन समाज पन्ना एवं मैसूरको हॉस्पिटल, पन्ना के संयुक्त तत्वावधान में 30 अगस्त 2026, रविवार को सुातः 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक निःशुल्क परामर्श शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शिविर का आयोजन मध्यांचल गागीण बैंक के बगल में, हॉस्पिटल चौक, रिविल लाइन, पन्ना में किया जाएगा। शिविर में डॉ. विक्रम आई. शाह की टीम से विशेषज्ञ चिकित्सक मरीजों को हड्डी एवं जोड़ू संबंधी समस्याओं के लिए विशेषज्ञ परामर्श प्रदान करेंगे। इसमें डॉ. विकास सावला, सीनियर कंसल्टेंट एवं जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जन तथा रोबोटिक जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जरी विशेषज्ञ, एवं डॉ. दीपांधु साहू, जनरल एवं लैप्रोस्कोपिक सर्जन उपलब्ध रहेंगे। डॉ. विकास सावला को सोलह हजार से अधिक जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जरी का अनुभव है। उनके मार्गदर्शन एवं उपचार से पन्ना सहित आसपास के क्षेत्रों के कई मरीज सफलतापूर्वक घुटना प्रत्यारोपण करवा चुके हैं और आज बेहतर गतिशीलता एवं आत्मविश्वास के साथ अपना सुखद जीवन जी रहे हैं। शिविर में घुटने एवं कूल्हे के दर्द, चलने-फिरने में परेशानी, घुटना प्रत्यारोपण की आवश्यकता तथा अन्य हड्डी-जोड़ू संबंधी समस्याओं पर विशेषज्ञ चिकित्सकों से परामर्श लिया जा सकेगा। रोबोटिक सर्जरी भी किफायती दरों पर उपलब्ध होने की जानकारी दी गई है।

मध्यप्रदेश उर्दू अकादमी द्वारा व्याख्यान एवं रचनापाठ का आयोजन आज

पन्ना। मध्य प्रदेश उर्दू अकादमी, संस्कृति परिषद, एवं संस्कृति विभाग के तत्वावधान में जलिया अदब गोशा पन्ना के द्वारा सिलसिला एवं तलाशे जोहर के तहत व्याख्यान एवं रचनापाठ का आयोजन रविवार , 30 अगस्त 2026 को दोपहर 2:00 बजे से महारानी दुर्गा राज्य लक्ष्मी माध्यमिक विद्यालय, पन्ना में जलिया समन्वयक सुरेश सौरम के सहयोग से किया जाएगा। उर्दू अकादमी की निदेशक डॉ. लुक्मरत मेहदी के अनुसार उर्दू अकादमी द्वारा सिलसिला के तहत प्रदेश के सभी जिलों में काव्य, साहित्यिक एवं सांगीतिक गोष्ठियां आयोजित की जा रही हैं। इस कड़ी में यह कार्यक्रम पन्ना में आयोजित हो रहा है जिसमें पन्ना के ऐसे स्थापित शायर एवं साहित्यकार अपनी रचनाएं प्रस्तुत करेंगे उनमें विशिष्ट वक्ता के रूप में वरिष्ठ पत्रकार सलीम खान शामिल होंगे।

ग्राम पंचायत फरस्वाहा के पटाही मजरा के लोगों को सड़क की जगह नाले में चलने को मजबूर रेत माफियाओं ने तोड़ी पुलियां सड़क नाले में हुई तब्दील

अंतिम छोर के व्यक्तियों को चलने के लिए सड़क तक नसीब नहीं आखिरकार फिर भी विकास के दावे जो इस समय हकीकत जमीन की कर रहे बयां

पन्ना जिले के विकास में कई बार सरकार के द्वारा तत्परता के साथ अपनी बाहवाही भले ही की जाती है। पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय के सिद्धांतों को लेकर चलने वाली भाजपा सरकार की वास्तविकता अंतिम छोर के व्यक्तियों को सड़क तक नसीब नहीं। जिम्मेदार आखिकार कब जागेंगे। जिले के अजयगढ़ जनपद अंतर्गत ग्राम पंचायत फरस्वाहा के पटाही मजरा के लोग इन दिनों रात्रि हो दिन खतरे के हालात को लेकर अपनी जिंदगी 24 घंटे जीने को मजबूर है। इन्हें अंतिम छोर के व्यक्तियों के रूप में जाना जाता है। चुनाव के समय इनके बीच में पहुंचकर सभी प्रत्याषी वादा करते है इन्हें सड़क की प्रमुख जरूरत लम्बे अर्से से बनी हुई है। वर्तमान समय में बारिष के समय हालात तो यह बन चुके है कि जो पैदल चलने का मार्ग था वह भी अब बहते हुए पानी के रूप में नाले जैसा हालात में तब्दल हो चुका है आखिरकार न तो पंचायत मुख्यालय पहुंच



सकते है और न ही मुख्य सड़क तक आवागमन चारो तरफ से बाधित हालात हर समय जान जोखिम को लेकर बने हुए हैं बच्चे हो या महिलायें सभी को इस खतरनाक मार्ग में चलने को लेकर मजबूर माना जा रहा है। ग्रामीणों के द्वारा कई बार मांग भी सड़क को लेकर की गई पर सुनवाई के रूप में आज भी वादे ही बने हुए है। वादा तो किया गया पर वादा निभाया कब जायेगा। यह तो आने वाला समय ही तय करेगा। विधानसभा चुनाव के दौरान हर प्रत्याषी इनकी वोट की जरूरत को लेकर इनकी मांग को पूरा करने के लिए वचन देते है पर वह वचन अब तक खाली ही बना हुआ है जिस तरह से सड़क के हालात है एक

दिन पार करना इस रास्ते को आसान नहीं फिर भी 24 घंटा अंतिम छोर के व्यक्ति पटाही मजरा के लोग इसी रास्ते पर चलने के लिए मजबूर है। बच्चों को भी इस खतरे से बचाने के लिए रखवाली जैसे हालात करने पड़ रहे है। क्योंकि सड़क तो बहते हुए नाले के रूप में तब्दील हो चुकी है आखिरकार कब इस सड़क का निर्माण कराया जायेगा। कुछ कह पाना कठिन सायद किसी हादसे का इंतजार कहें तो अतिथ्योक्ति नहीं आखिरकार बारिष के दौर में घरों के नीचे बहता पानी घर से निकलते ही इस मार्ग में कैसे 24 घंटे इस रास्ते को पार करना होता है यह तो यही जानते है जिन लोगों के सामने यह दास्ता सड़क न बनने से



बनी हुई है। इतना ही नहीं जब रेत माफियाओं को अपने लाभ का कारोबार करना होता है तो इसी मार्ग का इस्तेमाल किया जाता है। सच पूछे तो रेत माफियाओं के कारण यह मार्ग आज इस हालात को लेकर पहुंच चुका है क्योंकि पंचायत के द्वारा इस मार्ग को जब बनाया गया था उस पर पुलिया भी बनी हुई थी जिससे नाले का पानी बाखूबी निकलता था। मार्ग भी आवागमन के लिए जाना जाता था। बड़े-बड़े डम्पर व ट्रक रेत से लोडिड करके निकाले गये। जिसके चलते पुलिया टूटी सड़क आज नाले में तब्दील हुई आखिरकार अंतिम छोर के व्यक्तियों को अब 24 घंटे सड़क की जगह नाले के रूप में

चलना पड रहा है मार्ग में यहां क्या कसूर था पंचायत के पटाही मजरा के लोगों का जो अंतिम छोर के व्यक्तियों के रूप में जाने जाते है आज जिनकी बनी हुई सड़क को बर्बाद किया गया। पुलिया तोड दी गई अब कौन जम्मेदार है कहने तो जनप्रतिनिधि जब चुनाव के समय आता है तो इनकी प्रमुख मांग को ध्यान में रखरकर निर्माण कराये जाने को लेकर वादा करते है जो वादा ही रह गया। सड़क बही, पुलिया टूटी परेशान हो रहे 24 घंटे पटाही मजरा के निवासी ग्राम पंचायत फरस्वाहा की दास्ता जो आज देखते ही बनती है। आम आदमी की जिंदगी जान जोखिम को लेकर बनी हुई है।

संबंधों में पवित्रता ही सत्त्वा रक्षाबंधन, ब्रह्माकुमारी व्यसन एवं विकारों से रक्षा करना ही



एक राखी स्वयं के लिए, मन, वचन,कर्म में पवित्रता

पन्ना। ब्रह्माकुमारी विद्यालय में रक्षाबंधन आध्यात्मिक रीति से मनाया गया बहन जी ने सभी को रक्षाबंधन का आध्यात्मिक रहस्य बताते हुई कहा कि रक्षाबंधन पर



और शुभकामना का माध्यम बने जब हम हर आत्मा को परमात्मा की संतान समझ कर देखते हैं तब दृष्टि में पवित्रता आती है भाई बहन का संबंध ही नहीं बल्कि परिवार समाज और पूरे विश्व के प्रति हमारी भावनाएं श्रेष्ठ बनती हैं, इस अवसर पर अनेक जगह रक्षा सूत्र बांधा गया पूर्व कैबिनेट मंत्री बृजेंद्र प्रताप सिंह

पन्ना विधायक, श्रीमती उषा परमार पन्ना कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक निवेदिता नायडू, एडिशनल एसपी वंदना चौहान, अनुपम शर्मा डीएफओ,पन्ना टी रोहित मिश्रा, डॉ देवव्रत, गणेश प्रसाद सिंह जेलर एवं कैदी भाइयों को रक्षा सूत्र बांधकर सभी को नशा मुक्ति एवं विकारों से रक्षा करने की कराई गई प्रतिज्ञा।

7 साल से फरार स्थाई वारंटी समेत दो आरोपियों को पुलिस ने दबोचा



पुलिस अधीक्षक निवेदिता नायडू के निर्देशन में थाना प्रभारी हेमंत नायक के नेतृत्व में कार्रवाई

अमानगंज। फरार स्थाई वारंटियों की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत अमानगंज पुलिस ने लंबे समय से फरार चल रहे दो स्थाई वारंटियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। कार्रवाई पुलिस अधीक्षक पन्ना निवेदिता नायडू के निर्देशन एवं थाना प्रभारी अमानगंज हेमंत नायक के नेतृत्व में की गई। पुलिस ने जितेन्द्र ताम्रकार पिता तखतलाल ताम्रकार, उम्र 25 वर्ष, निवासी अमानगंज को गिरफ्तार किया, जो करीब 1 साल से फरार चल रहा था। वहीं मन्नु लाल असाठी पिता रामदीन असाठी, उम्र 60 वर्ष, निवासी गड़ा, थाना गढ़ा, जिला जबलपुर को भी पुलिस ने पकड़ा, जो करीब 7 साल से फरार था। लंबे समय से पुलिस की पकड़ से बाहर चल रहे दोनों स्थाई वारंटियों की गिरफ्तारी को अमानगंज पुलिस की महत्वपूर्ण कार्रवाई माना जा रहा है। पुलिस ने दोनों के विरुद्ध आवश्यक वैधानिक कार्रवाई पूरी की।

मडला गैरव टेक घाटी का सुधार कार्य तत्काल कराया जाए- पूर्व विधायक श्रीकांत दुबे आए दिन लगता हैं जाम, लोग भारी परेशान

पन्ना। पन्ना-छतरपुर मुख्य मार्ग राष्ट्रीय राजमार्ग 39 मडला भैरो टेक घाटी की स्थिति बहुत ही बदतर है जिससे आए दिन जाम लगा रहता है तथा वाहन पलटने से दुर्घटनाएं हो रही है यह सिलसिला लगाकर दो वर्षों से चल रहा है कभी भी बड़ी दुर्घटना हो सकती है पूरी सड़क में पन्ना से लेकर चंद्र नगर तक गड्डे ही गड्डे हैं जिससे वाहन चालक एवं आम लोग भारी परेशान हैं उक्त मामले को लेकर पूर्व विधायक एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता श्रीकांत दुबे ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि जहां एक ओर भाजपा की सरकार एवं भारतीय जनता पार्टी के नेता विकास के बड़े-बड़े दावे कर रहे हैं सांसद विधायक एलिवेटेड पुल बनाने का सपना दिखा रहे हैं वहीं दूसरी ओर उनके विकास की पोल मडला भैरव टेक घाटी को लेकर सामने आ रही है उन्होंने कहा कि पन्ना जिले के लिए एकमात्र सड़क मार्ग है जो जिससे ट्रेन एवं हवाई जहाज तक छूट



मुख्यालय राजधानी भोपाल तथा दिल्ली जाने का मार्ग है उसकी यह स्थिति है कि लोग 5-5 घंटे जाम में फंसे रहते हैं जिससे ट्रेन एवं हवाई जहाज तक छूट

जाती है इस बड़ी समस्या का निदान करने में शासन प्रशासन तथा नेता असमर्थ नजर आ रहे है। श्री दुबे ने आगे कहा कि राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा 43 करोड़ की राशि मार्ग का सुधार कार्य करने के लिए स्वीकृत की गई थी।लेकिन मार्ग का सुधार कार्य नहीं हुआ । तथा उक्त राशि भी भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गई उन्होंने भाजपा सरकार पर यह भी आरोप लगाया है कि सड़कों की स्थिति बदतर है उसके बाद भी लगातार टोल टैक्स लिया जा रहा है तथा बसों के किराया में भारी वृद्धि की गई है जो जनता के साथ एक बहुत बड़ा धोखा है विधायक श्री दुबे ने कहा कि संबंधित मार्ग का तत्काल शासन प्रशासन सुधार कार्य कराए जिससे लोगों को राहत मिल सके नहीं तो मामले को लेकर आगामी समय में कांग्रेस पार्टी बड़ा जन आंदोलन करने के लिए बाध्य होगी।

मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान- तहत जेके सीमेंट ने ककरहाटी में टीबी रोगियों को वितरित किए पोषण किट

अमानगंज। मध्य प्रदेश सरकार द्वारा जन-समस्याओं के त्वरित समाधान और सरकारी योजनाओं की जमीनी निगरानी के लिए संचालित मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) का निर्वहन करते हुए जेके सीमेंट ने अपनी सराहनीय भागीदारी निभाई है। अभियान के अंतर्गत पन्ना जिले के ककरहाटी एवं आसपास के क्षेत्रों के क्षय रोगियों के बेहतर स्वास्थ्य एवं त्वरित सुधार के लिए जेके सीमेंट की ओर से विशेष टीबी पोषण किट वितरित किए गए। इस जन विश्वास कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ पन्ना जिला कलेक्टर श्रीमती उषा परमार, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी उमराव सिंह मरावी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक वंदना चौहान तथा



जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेश तिवारी सहित जिले के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति में हुआ। कार्यक्रम के दौरान प्रशासनिक अधिकारियों ने एटीबी मुक्त भारत अभियान में निजी क्षेत्र और कॉरपोरेट संस्थाओं के इस सहयोग

की मुक्त कंठ से सराहना की। अधिकारियों ने कहा कि नियमित दवाइयों के सेवन के साथ-साथ उच्च पोषणयुक्त आहार टीबी के पूर्ण इलाज के लिए बेहद आवश्यक है। जेके सीमेंट द्वारा किया गया यह प्रयास मरीजों के शीघ्र स्वस्थ होने में अत्यंत

एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत के मामले को लेकर ग्रामवासियों ने किया प्रदर्शन प्रशासन पर लगाए गंभीर आरोप

पवई। जिले के पवई थाना अंतर्गत ग्राम नारायण पुरा में एक सप्ताह के अंदर एक ही परिवार की तीन लोगों की मौत के मामले को लेकर ग्राम वासियों ने जमकर प्रदर्शन किया तथा लापरवाही के गंभीर आरोप लगाए हैं जानकारी के अनुसार एक सप्ताह पहले किसान उजागर लाल बर्मन उम्र 55 वर्ष तथा उसका पुत्र अटल बर्मन 30 वर्ष खेत की मोटर निकालने गए हुए ये मोटर निकलते समय जहरीली गैस के चलते दोनों की मौत हो गई थी। जिनका पोस्टमार्टम कराकर अंतिम संस्कार कर दिया गया था उनकी मृत्यु के बाद बड़ा बेटा सतीश बर्मन 32 वर्ष जो बाहर रहता था अपने घर आया हुआ था उसके द्वारा 28 अगस्त शुक्रवार को खेत पहुंचकर मोटर निकालने का प्रयास किया तो



उसकी भी मौत हो गई तब घटना को लेकर पूरे क्षेत्र में शोक एवं आक्रोश का माहौल देखा गया तथा ग्राम वासियों ने शासन प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि प्रशासन द्वारा पूर्व की घटना का परीक्षण नहीं कराया गया आखिर कौन सी गैस के कारण उक्त दो लोगों की मौत हुई है। इसी का परिणाम है कि यह तीसरी मौत हुई है।

धूमधाम के साथ मनाया गया रक्षाबंधन का पवित्र त्यौहारबहनों ने भाइयों की कलाइयों पर बांधी राखी

पन्ना। आज पूरे देश में रक्षाबंधन का त्यौहार बड़े ही उत्साह एवं धूमधाम के साथ मनाया गया बहनों ने अपने भाइयों को राखी बांधकर रक्षा का संदेश दिया सुबह से ही बहनों द्वारा भाइयों के घरों में पहुंचकर उनकी कलाई पर राखी बांधी तथा तिलक लगाया मिष्ठान खिलाया एवं हमेशा अपनी रक्षा का आशीर्वाद लेते हुए भाई बहन के अटूट रिश्ते को बनाए रखने का आश्वासन लिया जात है। यह परंपरा प्राचीन काल से चली जा रही है जिसमें श्रावण मास की पूर्णिमा के दिन बहन अपने भाई की कलाई पर राखी बांधती हैं तथा उनके लंबी उम्र की कामना करती है पन्ना जिले में या त्यौहार बड़े ही धूमधाम के साथ मनाया गया। रक्षाबंधन के त्यौहार को लेकर बाजार में भारी भीड़ भाड़ रही राखी तथा मिठाई की दुकानों में लंबी भीड़ देखी गई क्योंकि गरीब से गरीब बहन अपने भाई के लिए राखी के साथ-साथ मीठा ले जाती है भाई भी बहनों को उपहार देते हैं इस प्रकार यह परंपरा अनवरत चल रही है।



खबर संक्षेप

जातिगत अपमान एवं धमकी देने पर मामला दर्ज
बड़वारा। जातिगत अपमान तथा घर में घुसकर जान से मारने की धमकी देने के मामले में सामाजिक प्रतिनिधियों एवं प्रबुद्ध जनों की एक विशाल आपात बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में उपस्थित सभी सामाजिक कार्यकर्ताओं व नागरिकों ने इस आपराधिक व अमानवीय कृत्य पर गहरा आक्रोश व्यक्त करते हुए समाज के स्वामिमान की रक्षा के लिए आर-पार की कार्रवाई लड़ाई लड़ने का संकल्प लिया। बैठक संपन्न होते ही जय सूर्यवंशी और नागेश अहिरवार की अनुवाई में दर्जनों सामाजिक साथी एकजुट होकर बड़वारा थाना पहुंचे और पुलिस प्रशासन के समक्ष कड़ा विरोध दर्ज कराते हुए आरोपी की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की।

एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधारोपण
कटनी। जिला प्रशासन द्वारा विकासखंड कटनी के ग्राम कन्हवारा में आयोजित मुख्यमंत्री जन विद्यास अभियान के अंतर्गत आयोजित शिविर के दौरान मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद विकासखंड कटनी के द्वारा शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कन्हवारा में एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत नवोदय संस्था बारडोली वेलफेयर सोसाइटी कटनी के द्वारा आयोजित पौधारोपण कार्यक्रम में कलेक्टर आशीष तिवारी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती हरप्रीत सिमरन कौर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमल मोर्य, अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी अनुराग मोदी, एसडीएम जितेंद्र पटेल, कुठला थाना प्रमारी अखिलेश दहिया, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ राज सिंह, जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रदीप कुमार सिंह, जन अभियान परिषद के विकासखंड समन्वयक बालमुकुंद मिश्र, बारडोली वेलफेयर सोसाइटी के अध्यक्ष राम लखन चौधरी समाजसेवी रामजी मिश्रा, परमश्रद्धाता रामानुज पांडेय, शिवकुमार चौधरी, सेक्टर प्रमारी गनपत लाल कोल, श्रीमती मया गुप्ता , हरिशंकर दहिया सहित विभिन्न जिला स्तरीय एवं ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों के द्वारा पौधारोपण किया गया।

चौक बाजार में बेखौफ चोरों की सेंधमारी, 4 दुकानों को बनाया निशाना, व्यापारियों में आक्रोश

छतरपुर। शहर के चौक बाजार में चोरों ने पुलिस की रात्रि गश्त व्यवस्था को चुनौती देते हुए 4 दुकानों को निशाना बनाया। चोरों ने प्रताप मार्केट में 4 दुकानों के ताले तोड़ने का प्रयास किया, जिसमें दो दुकानों में सेंधमारी कर नकदी और चांदी के सिक्के चोरी कर लिए गए, जबकि दो दुकानों के ताले तोड़ने में चोर सफल नहीं हो सके। घटना की जानकारी सुबह दुकानें खोलने

पहुंचे व्यापारियों को हुई, जिसके बाद बाजार में हड़कंप मच गया। वहीं चोरों की उक्त वारदात वहां लगे सीसीटीवी कैमरों में भी कैद हुई है। जानकारी के अनुसार, चोरों ने व्यापारी मंदू तपा की दुकान का ताला तोड़कर करीब 25 हजार रुपये नकद और कुछ चांदी के सिक्के चोरी कर लिए। मंदू तपा के पास धूपबत्ती और अगरबत्ती की एजेंसियां हैं। वहीं, दूसरी



दुकान शानू बजरंगदी की है, जहां से चोर करीब 10 हजार रुपये की नगदी ले गए। इसके अलावा चोरों ने दो अन्य दुकानों के ताले तोड़ने का प्रयास किया, लेकिन वे अपने मंसूबों में कामयाब नहीं हो सके। सुबह जब व्यापारी दुकानों पर पहुंचे तो ताले टूटे मिले और अंदर सामान अस्त-व्यस्त पड़ा था। घटना की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में अन्य व्यापारी भी मौके पर पहुंच

गए।व्यापारियों का कहना है कि यदि रात के समय पुलिस की पर्याप्त गश्त होती तो चोरी की इस तरह की वारदातों पर अंकुश लगाया जा सकता था। घटना के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस द्वारा आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं, ताकि चोरों की पहचान कर जल्द गिरफ्तारी की जा सके।

जीसीएम कॉन्वेंट स्कूल परिसर में मैस वर्कर युवती की संदिग्ध मौत, जांच में जुटी पुलिस



नौगांव। नगर के जीसीएम कॉन्वेंट स्कूल परिसर में कार्यरत 18 वर्षीय मैस वर्कर युवती पावती सिंह गौड़ की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। घटना की सूचना स्कूल की स्टाफ सिस्टर द्वारा नौगांव पुलिस को दी गई। जिसके बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम तत्काल जीसीएम कॉन्वेंट स्कूल परिसर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई करते हुए युवती के शव को नीचे उतरवाकर शव वाहन के माध्यम से नौगांव अस्पताल पहुंचाया गया और घटना की सूचना पुलिस द्वारा मृतका के परिजनों को भी दे दी गई। घटना की जानकारी मिलने के बाद मृतका के परिजन

देर रात जीसीएम कॉन्वेंट स्कूल पहुंचे। शनिवार सुबह परिजनों की मौजूदगी में शव का पोस्टमार्टम कराया गया। इसके बाद पुलिस ने मामले की जांच को आगे बढ़ा दिया है। युवती की मौत किन परिस्थितियों में हुई, इसे लेकर फिलहाल स्थिति स्पष्ट नहीं हो सकी है। पुलिस विभिन्न पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और पुलिस जांच के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा। स्कूल परिसर में हुई 18 वर्षीय युवती की संदिग्ध मौत ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। अब जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट पर सभी की नजरें टिकी हुई हैं।

बान सुजारा बांध के 8 गेट खुले, धसान नदी का बड़ेगा जल स्तर; नदी किनारे गांवों में अलर्ट

घुवारा। बुंदेलखंड अंचल में लगातार हो रही बारिश के बीच छतरपुर-टीकमगढ़ जिले की सीमा पर स्थित बान सुजारा बांध में जलस्तर बढ़ने के बाद बांध से पानी की निकासी शुरू कर दी गई है। बांध के पहले से खुले 2 गेटों के अलावा शुक्रवार रात 8 बजे 6 और गेट खोलने के निर्देश दिए गए। इस तरह कुल 8 गेटों से धसान नदी में पानी छोड़ा जा रहा है।जल संसाधन विभाग के अनुसार, बांध की सुरक्षा और निर्धारित जलस्तर को बनाए रखने के लिए प्रत्येक गेट को 0.75-0.75 मीटर तक खोला गया है। इससे करीब 792 घन मीटर प्रति सेकेंड पानी धसान नदी में छोड़े जाने की जानकारी दी गई है। विभाग के अनुमान के मुताबिक बांध के नीचे धसान नदी में जलस्तर करीब 7 से 9 फीट तक बढ़ सकता है।बान सुजारा परियोजना के एसडीओ रामसेवक शंजवार ने बताया कि बांध के ऊपरी हिस्से में धसान नदी से पानी की आवक लगातार बढ़ रही है, जिसके चलते जलाशय का स्तर निर्धारित सीमा से ऊपर जा रहा था। बांध की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए गेट खोलकर पानी की निकासी की जा रही है। विभाग ने चेतावनी दी है कि यदि ऊपरी क्षेत्र में बारिश जारी रहती है और पानी की आवक बढ़ती



है तो बांध से और अधिक गेट भी खोले जा सकते हैं। धसान नदी में अचानक जलस्तर बढ़ने की संभावना को देखते हुए नदी किनारे बसे गांवों के लोगों को प्रशासन की ओर से अलर्ट किया गया है। प्रशासन और जल संसाधन विभाग ने आमजन से अपील की है कि वे धसान नदी और क्षेत्र से सुरक्षित दूरी बनाए रखें। स्थानीय अमले को भी जलस्तर पर लगातार नजर रखने और आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं।

धसान नदी के आसपास बढ़ा जल स्तर

प्रशासन के अलर्ट के बाद बांध के गेट खुलने से धसान नदी का जल स्तर बढ़ा है। ग्रामीणों को धसान नदी के आसपास न जाने की सलाह दी गई साथ ही धसान नदी का जल स्तर बढ़ने से ग्रामीणों के खेतों तक पानी पहुंच गया। वहीं खतरे की आशंका को देखते हुए लोग अपने-अपने घरों में रहे। हालांकि खेतों में पानी भरने से फसलों को कितना नुकसान हुआ इसका आकलन नहीं लग पाया है।



भरभराकर गिरा मवेशियों का मकान, बाल-बाल बची जान

छतरपुर। जनपद पंचायत छतरपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत पठादा के कटारै के पुरवा में लगातार हो रही अतिवृष्टि के चलते हरिनारायण पटेल पिता राजाराम पटेल के मवेशियों का मकान अचानक भरभराकर गिर गया। मकान गिरने से पीड़ित को आर्थिक नुकसान हुआ है। गनीमत रही कि हादसे के समय न तो कोई व्यक्ति मकान के नीचे आया और न ही किसी मवेशी को नुकसान हुआ, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया।मकान गिरने के बाद पीड़ित हरिनारायण पटेल ने शासन-प्रशासन से मदद की गुहार लगाई है। उनका कहना है कि बारिश के कारण मवेशियों का आशियाना पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है। ऐसे में शासन द्वारा उचित मुआवजा प्रदान किया जाए, ताकि वह अपने मवेशियों के लिए दोबारा सुरक्षित आशियाना बना सके। पीड़ित ने प्रशासन से मौके का निरीक्षण कर नुकसान का आकलन कराने और नियमानुसार मुआवजा दिलाने की मांग की है।



गड्डों में तब्दील हुआ जवाहर रोड हादसों का डर; उड़ती धूल से राहगीर भी परेशान

छतरपुर। शहर का प्रमुख जवाहर रोड इन दिनों बदहाल स्थिति से गुजर रहा है। सड़क पर जगह-जगह बने गहरे गड्ढों के कारण वाहन चालकों को हादसे का डर बना रहता है। खासकर दोपहिया वाहन चालकों के लिए यह सड़क परेशानी का सबब बनी हुई है। सड़क की जर्जर हालत के चलते वाहनों के आवागमन के दौरान धूल और डस्ट के गुबार उड़ते रहते हैं। इससे राहगीरों और आसपास के दुकानदारों को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। धूल के कारण वाहन चालकों की दृश्यता प्रभावित होने से दुर्घटना का खतरा और बढ़ जाता है। गहरे गड्ढों में बाईक सवारों, ई-रिक्शा चालकों के गिरने का खतरा भी बना रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि जवाहर रोड शहर की महत्वपूर्ण सड़क है और यहां दिनभर बड़ी संख्या में वाहनों का आवागमन रहता है। इसके बावजूद सड़क की मरम्मत और गड्ढों को भरने की दिशा में जिम्मेदार विभाग द्वारा गंभीरता नहीं दिखाई जा रही है। लोगों ने प्रशासन से सड़क की जल्द मरम्मत कराने और धूल की समस्या से निजात दिलाने की मांग की है। इसी तरह शहर की अन्य सड़कों पन्ना रोड, बाजार क्षेत्र की मऊरवाजा की सड़क, महल रोड की स्थिति भी दयनीय बनी हुई है।

खर्रोही-बमीठा मार्ग गड्ढों में तब्दील लोगों ने बमीठा बाजार आना छोड़ा

खजुराहो। खर्रोही-बमीठा पहुंच मार्ग लंबे समय से बदहाल होने के कारण ग्रामीणों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। खर्रोही, धनुपुरा और चादऊआ सहित आसपास के गांवों के लोगों के लिए बमीठा का बाजार सबसे नजदीक है, लेकिन मार्ग पर जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे होने से ग्रामीणों ने बमीठा आना-जाना लगभग छोड़ दिया है। अब उन्हें मजबूरी में राजनगर और खजुराहो के बाजार तक लंबी दूरी तय करनी पड़ रही है।

बमीठा-खजुराहो हाईवे महज 3 किलोमीटर दूर

ग्रामीणों के अनुसार, खर्रोही से बमीठा-खजुराहो हाईवे की दूरी करीब 3 किलोमीटर है। वहीं खर्रोही से खजुराहो करीब 9 किलोमीटर और राजनगर करीब 12 किलोमीटर दूर है। खर्रोही-बमीठा पहुंच मार्ग खराब होने के कारण ग्रामीणों को अपनी



जरूरत का सामान लेने के लिए तीन से चार गुना अधिक दूरी तय करनी पड़ रही है। इससे समय और परिवहन खर्च दोनों बढ़ रहे हैं।

रेलवे अंडरब्रिज के नीचे बना गहरा गड्ढा

खर्रोही-बेनीगंज बांध के बीच रेलवे अंडरब्रिज

के नीचे स्थिति और भी खराब है। यहां सड़क पर बहुत गहरा गड्ढा बन गया है, जिसमें बारिश के बाद कीचड़ जमा हो जाता है। वाहन चालक आए दिन कीचड़ और गड्ढों में फंसकर गिरने का खतरा झेल रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि मार्ग की तत्काल मरम्मत नहीं की गई तो कभी भी बड़ा हादसा हो

सकता है। बताया गया है कि बेनीगंज बांध क्षेत्र में करीब दो किलोमीटर सड़क सिंचाई विभाग के अधीन आती है। इसी वजह से अन्य विभाग इस पहुंच मार्ग का डायरीकरण नहीं करा पा रहे हैं। वहीं सिंचाई विभाग के पास पर्याप्त बजट नहीं होने के कारण सड़क की हालत दिन-ब-दिन खराब होती जा रही है। ग्रामीणों ने खर्रोही-बमीठा पहुंच मार्ग को प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना में शामिल कर पक्की सड़क बनाने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि यह मार्ग प्रधानमंत्री सड़क योजना के तहत बन जाता है तो खर्रोही सहित आसपास के तीन-चार गांवों के लोगों को बमीठा बाजार तक पहुंचने के लिए कम दूरी तय करनी पड़ेगी और आवागमन भी सुगम हो जाएगा। ग्रामीणों ने संबंधित विभाग और प्रशासन से सड़क की समस्या का स्थायी समाधान कराने की मांग की है।

बागेश्वर धाम में दिखा भाई-बहिन के अटूट रिश्ते का संगम

देश-विदेश से पहुंची बहिनो ने बांधी राखी, छलके खुशी के आंसू

छतरपुर। सिद्ध पीठ बागेश्वर धाम में रक्षाबंधन के पावन पर्व पर भाई-बहिन के अटूट प्रेम, आस्था और विश्वास का अनूठा संगम देखने को मिला। देश-विदेश से पहुंची बहिनों ने अपने लाडले भाई बागेश्वर महाराज को राखी बांधकर उनकी लंबी उम्र और सुख-समृद्धि की कामना की। इस भावुक पल के दौरान कई बहनों के आंखों से खुशी के आंसू छलक पड़े। जो बहाने पिछले कई वर्षों से किन्ही कर्म से अपने भाई की कलाई में राखी नहीं बढ़ पाए उन्हें बागेश्वर महाराज में अपना सगा भाई नजर आया। महाराज श्री ने अपनी सभी बहिनों से कहा कि वह सनातन को घर-घर तक पहुंचाने में अपना योगदान दें। रक्षाबंधन के पावन अवसर पर यहां यह देखने को मिला कि महाराज श्री की माता जी और दादी की उम्र की

महिलाओं ने भी महाराज श्री में अपना भाई देख कर उन्हें राखी बांधी, साथ ही आशीर्वाद दिया कि वह इसी तरह सनातन की अलख जागते रहे। हर वर्ष की तरह इस बार भी रक्षाबंधन पर बागेश्वर धाम में श्रद्धा का विशेष माहौल देखने को मिला। दूर-दराज से आई बहिनें अपने भाई के प्रति प्रेम और विश्वास लेकर धाम पहुंचीं। बहिनो ने बागेश्वर महाराज की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधते हुए उनकी दीर्घायु, उत्तम स्वास्थ्य और निरंतर उन्नति की प्रार्थना की। वहीं बागेश्वर सरकार ने भी राखी बांधने वाली सभी बहनों को दक्षिणा भेंट कर उनका सम्मान किया। रक्षाबंधन के इस अवसर पर बागेश्वर धाम में उमड़ी श्रद्धा ने एक बार फिर भाई-बहन के रिश्ते की गहराई को उजागर किया। यह रक्षा सूत्र केवल एक धागा नहीं बल्कि प्रेम, विश्वास, आस्था और अपनत्व का प्रतीक बन गया। बागेश्वर धाम की यह तस्वीर यह संदेश देती नजर आई कि सच्चे रिश्तों की डोर सीमाओं में नहीं बंध सकती।



नवीन बसाहट करौंदिया में शुरू हुआ अस्थायी आंगनवाड़ी केंद्र

35 बच्चों को मिला खीर, पूड़ी एवं सब्जी सहित पौष्टिक आहार

प्रभावित परिवारों के बच्चों को स्थानीय स्तर पर ही मिलेगी आंगनवाड़ी सेवाएं छतरपुर। केन-बेतवा लिंक परियोजना के अंतर्गत पुनर्वासित एवं विस्थापित ग्राम ढोंडन के ग्रामीणों की नवीन बसाहट ग्राम करौंदिया में प्रशासन द्वारा मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने का कार्य लगातार किया जा रहा है। कलेक्टर मृणाल मीना ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि प्रभावित परिवारों को उनकी नवीन बसाहट में ही आवश्यक योजनाओं एवं सुविधाओं का लाभ सुनिश्चित किया जाए। इसी क्रम में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा 29 अगस्त 2026 से नवीन बसाहट करौंदिया में अस्थायी आंगनवाड़ी केंद्र का शुभारंभ किया गया। केंद्र के शुभारंभ अवसर पर 35 बच्चों को पौष्टिक आहार के रूप में खीर, पूड़ी एवं सब्जी वितरित की गई।नवीन बसाहट में आंगनवाड़ी केंद्र शुरू होने से बच्चों को पोषण आहार सहित आंगनवाड़ी से संबंधित अन्य सेवाओं का लाभ स्थानीय स्तर पर ही मिल सकेगा। इस दौरान बच्चों के माता-पिता, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता करौंदिया-1 रामप्यारी अहिरवार, आशा कार्यकर्ता शांति कौंडर, स्वसहायता समूह प्रतिनिधि मुकेश अहिरवार एवं परियोजना अधिकारी राजनगर-2 विक्रम सिंह उपस्थित रहे।

जिले में फिर हुई आफत की बारिश: मैदानी और नेहरू बस्ती बनीं टापू, घरों-दुकानों में घुसा घुटनों तक पानी

कई रास्ते बंद, मैदानी-दुआरी मार्ग पर तेज बहाव से आवागमन रहा ठप

रीवा। जिले में एक बार फिर शुक्रवार देर रात और शनिवार सुबह हुई मूसलाधार बारिश लोगों के लिए आफत बन गई। लगातार बारिश के कारण शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक जलभराव की स्थिति गंभीर हो गई है। नाले और प्रमुख जलस्रोत उफान पर हैं, वहीं कई निचले इलाकों में पानी घरों और दुकानों में घुस गया है। शहर से सटी मैदानी ग्राम

हर साल बनती है समस्या स्थायी समाधान का इंतजार

स्थानीय लोगों के अनुसार मैदानी क्षेत्र का भौगोलिक स्वरूप ऐसा है कि आसपास के कई हिस्सों का पानी यहां एकत्रित होता है। इसके बावजूद जल निकासी के लिए पर्याप्त और स्थायी व्यवस्था नहीं की गई है। ग्रामीणों का कहना है कि प्रत्येक वर्ष बारिश के मौसम में यहां जलभराव की समस्या सामने आती है, लेकिन इस बार लगातार हो रही बारिश के कारण स्थिति सामान्य जलभराव से आगे बढ़कर बाढ़ जैसे हालात में पहुंच गई है।

नेहरू बस्ती में कमर तक पानी, गूढ़ चौराहा-पुलिस लाइन मार्ग रहा बंद

लगातार बारिश का असर रीवा शहर के हृदय स्थल में स्थित नेहरू बस्ती में भी दिखाई दे रहा है। बारिश के बाद नाले का जलस्तर बढ़ने से पूरी बस्ती जलभराव की चपेट में आ गई। कई स्थानों पर सड़कें तालाब में तब्दील हो गईं और दर्जनों मकानों तथा दुकानों में पानी घुस गया। सबसे गंभीर स्थिति गूढ़ चौराहे से पुलिस लाइन की ओर जाने वाले मुख्य मार्ग पर बनी हुई है। सड़क पर कमर तक पानी भर जाने के कारण इस मार्ग से आवागमन पूरी तरह बंद कर दिया गया। जलस्तर बढ़ने के बाद किसी वाहन या राहगीर के पानी में फंसने अथवा गड़्ों के कारण दुर्घटना होने की आशंका को देखते हुए मार्ग को बैरिकेडिंग कर बंद कराया गया। वार्ड क्रमांक 27 के पार्श्व मनीष नमदेव जलभराव की सूचना मिलने के बाद क्षेत्र में सक्रिय नजर आए। उन्होंने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया और खतरे को देखते हुए मुख्य मार्ग पर बैरिकेडिंग करवाकर लोगों की आवाजही रोक दी।

पंचायत और नेहरू बस्ती में हालात सबसे ज्यादा खराब बताए जा रहे हैं। दोनों क्षेत्रों में जलभराव के कारण जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है,मैदानी ग्राम पंचायत में बाढ़ जैसे हालात लगातार बारिश के कारण मैदानी ग्राम पंचायत का अभिराम स्कूल के आसपास का पूरा इलाका जलमग्न हो गया है। सड़क पर पानी का तेज बहाव होने के कारण मैदानी-दुआरी मार्ग पर आवागमन पूरी तरह प्रभावित हो गया है। पानी का

सरपंच से गुहार के बाद भी नहीं मिली राहत, ग्रामीणों में नाराजगी

जलभराव से परेशान ग्रामीण जब अपनी समस्या लेकर स्थानीय सरपंच के पास पहुंचे तो उन्हें अपेक्षित मदद नहीं मिलने का आरोप लगाया गया है। ग्रामीणों का कहना है कि सरपंच ने जिम्मेदारी लेने के बजाय उन्हें कलेक्टर अथवा एसडीएम के पास जाकर शिकायत करने की बात कही। इससे पीड़ित ग्रामीणों में नाराजगी है। ग्रामीणों का कहना है कि आपदा की स्थिति में स्थानीय जनप्रतिनिधि से तत्काल सहयोग की उम्मीद रहती है। ऐसे समय में यदि प्रभावित लोगों को अपनी समस्या लेकर अलग-अलग अधिकारियों के पास जाना पड़े तो राहत मिलने में और देरी हो सकती है।

घर-दुकानों में घुसा पानी

नेहरू बस्ती में नाले का पानी बढ़ने के बाद दर्जनों मकानों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में पानी प्रवेश कर गया। लोगों को घरों से सामान निकालकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने के लिए काफी मशकत करनी पड़ रही है। कई परिवारों के सामने घरेलू सामान और खाद्यान्न को सुरक्षित बचाने की चुनौती खड़ी हो गई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि जलभराव के कारण हर वर्ष इसी तरह की परेशानी होती है। बारिश के दौरान नाले का पानी बढ़ते ही बस्ती के निचले हिस्से जलमग्न हो जाते हैं। इसके बावजूद जल निकासी की समस्या को स्थायी समाधान नहीं हो पाया है।



कलेक्टर ने शहर में जल भराव का लिया जायजा

कलेक्टर नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी ने रीवा शहर के कई वार्डों का भ्रमण करके लगातार 2 घंटे से हो रही बारिश से उत्पन्न जल भराव का जायजा लिया। कलेक्टर ने वार्ड क्रमांक 2, वार्ड क्रमांक 10, वार्ड क्रमांक 15 का भ्रमण किया। भ्रमण के समय आयुक्त नगर निगम अक्षत जैन तथा एसडीएम अनुराग तिवारी एवं तहसीलदार अनुपम पाण्डेय उनके साथ रहे। कलेक्टर ने वार्ड क्रमांक 2 में रेलवे लाइन के पास जल भराव का अवलोकन किया। उन्होंने जल भराव से प्रभावित लोगों से चर्चा करते हुए कहा कि पानी की निकासी के लिए रेलवे को निर्देश दिए गए हैं। रेलवे द्वारा शीघ्र ही कार्य शुरू किया जाएगा। उन्होंने आयुक्त नगर निगम को भी नालियों की सफाई करा कर जल निकासी के समुचित प्रबंध करने के निर्देश दिए। इसके बाद कलेक्टर ने वार्ड क्रमांक 15 का भ्रमण किया। गणेश नेत्र चिकित्सालय के पास हुए जल भराव के संबंध में उन्होंने नगर निगम के अधिकारियों को निर्देश दिए। मौके पर उपस्थित नगर निगम आयुक्त ने बताया कि लोक निर्माण विभाग द्वारा चार स्थानों पर मॉडल रोड से पानी को दूसरी ओर ले जाने के लिए पुलियों के निर्माण कार्य का टेंडर जारी कर दिया गया है।बारिश कम होते ही निर्माण कार्य शुरू कर दिया जाएगा। कलेक्टर ने कहा कि जिन स्थानों पर अवैध निर्माण के कारण जल भराव हो रहा है वहां नगर निगम कार्रवाई करके अतिक्रमण हटाए और जल निकासी की समुचित व्यवस्था करें। जल भराव से पीड़ितों से चर्चा करते हुए कलेक्टर ने कहा कि जिन स्थानों में जल भराव हुआ है वहां मौसम खुलने के बाद पानी की निकासी की समुचित व्यवस्था की जाएगी। इसके लिए नगर निगम पूरी तैयारी कर रहा है। जल भराव से हुई हानि का सर्वे किया जा रहा है पीड़ितों को उचित राहत राशि भी दी जाएगी।

1720 आवेदन पत्रों का हुआ निराकरण

रीवा। आम जनता के आवेदनों का मौके पर निराकरण करने सीएम हेल्पलाइन के लंबित प्रकरणों के निराकरण तथा शासन की महत्वपूर्ण योजनाओं की जानकारी देने के लिए ज़िले भर में मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत नगर पंचायत मनगवां में जन विश्वास शिविर आयोजित किया गया। शिविर में आम जनता के 1720 आवेदन पत्रों का निराकरण किया गया। शिविर में राजस्व, ग्रामीण विकास विभाग, ऊर्जा विभाग, नगर पंचायत, लोक स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग तथा अन्य विभागों के आवेदन पत्र पर सुनवाई की गई। शिविर में मनगवां तहसील में लंबित सी एम हेल्पलाइन के 4622 प्रकरणों में से 2521 तथा जनसुनवाई के 380 में से 325 आवेदन पत्रों का निराकरण किया गया। शिविर में नक्शा एवं खसरा की 1214 प्रतियों का वितरण किया गया। शिविर में 101 जाति प्रमाण पत्र, 200 आय प्रमाण पत्र तथा अविवाहित नामांतरण और बटवारा के 100 प्रकरणों का भी निराकरण किया गया। शिविर में प्राप्त 89 आवेदन पत्र में से 69 का निराकरण मौके पर ही विभिन्न अधिकारियों द्वारा किया गया। शिविर में विधायक मनगवा इन्जीनियर नरेंद्र प्रजापति ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा के अनुरूप जिले भर में जन विश्वास शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। हमारी सरकार जन कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से लगातार गरीबों का हित संवर्धन कर रही है। सभी अधिकारी शिविर में मिले आवेदनों का सात दिवस में निराकरण करें। मुख्यमंत्री जी की मंशा के अनुसार आम जनों की शासन की योजनाओं का लाभ दें। शिविर में विध्य विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष डॉ. पंचूलाल प्रजापति ने कहा कि शिविर के माध्यम से आम जनता की कठिनाइयों को दूर किया जा रहा है। आम जनता इन शिविरों का पूरा लाभ उठाएं। शिविर में नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती बुटला बंसल, नगर परिषद उपाध्यक्ष उरमलिया, जनपद अध्यक्ष गंगेव विकास तिवारी, पार्श्वगण, आईजी गौरव राजपूत, डीआईजी हेमंत सिंह चौहान, अपर कलेक्टर श्रीमती सपना त्रिपाठी, एसडीएम मनगवा संजय जैन, सीईओ जनपद गंगेव प्राची चौबे तथा जिला और विकासखंड स्तर की सभी अधिकारी एवं बड़ी संख्या में आम जन उपस्थित रहे।

सोनभद्र में सड़क हादसे के नाम पर हत्या का खुलासा, रीवा के बैकुंठपुर से पत्नी गिरफ्तार



रीवा। उत्तर प्रदेश के सोनभद्र जिले के शक्तिनगर थाना क्षेत्र में सड़क दुर्घटना में हुई मौत के मामले में पुलिस ने खुलासा किया है। पुलिस जांच में सामने आया कि जिस घटना को सड़क हादसा बताया जा रहा था, वह कथित तौर पर सुनियोजित हत्या थी। हत्या के बाद शव को सड़क दुर्घटना का रूप देने की साजिश रची गई थी। सोनभद्र पुलिस के अनुसार, प्रेम-प्रसंग के चलते पत्नी ने अपने प्रेमी और अन्य साथियों के साथ मिलकर पति की हत्या की साजिश रची थी। शक्तिनगर पुलिस ने मुकदमा दर्ज होने के 24 घंटे के भीतर मामले का खुलासा करते हुए पत्नी और उसके प्रेमी समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मामले में रीवा कनेक्शन भी सामने आया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी महिला मूलतः रीवा की रहने वाली थी और वर्तमान में अपने पति के साथ सोनभद्र के शक्तिनगर में रह रही थी। पुलिस ने महिला को रीवा जिले के बैकुंठपुर स्थित उसके ससुराल से गिरफ्तार किया। पुलिस की कार्रवाई के बाद पूरे मामले ने इलाके में सनसनी फैला दी है। हत्या की साजिश से जुड़े अन्य तथ्यों की जांच कर रही है।

नाले पर लंबी बाउंड्री वॉल बनाकर किए गए स्थाई अतिक्रमण पर हुई कार्रवाई करीब 150 घरों को मिली जलभराव से राहत

रीवा। रीवा शहर में शनिवार को हुई बारिश के बाद उत्पन्न जलभराव की स्थिति को देखते हुए नगर निगम रीवा की टीम लगातार मैदानी स्तर पर सक्रिय रहकर राहत एवं जल निकासी का कार्य कर रही है। निगम आयुक्त अक्षत जैन के निर्देशानुसार बाढ़ राहत कंट्रोल रूम पूरी तरह सक्रिय रहते हुए जलभराव से संबंधित प्राप्त शिकायतों पर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित की गई। कंट्रोल रूम में 60 से अधिक सूचनाएं प्राप्त हुईं, जिन पर निगम की टीमों को तत्काल मौके पर भेजकर जल निकासी की कार्रवाई कराई गई। बारिश के दौरान शहर में जल निकासी को बाधित करने वाले अतिक्रमणों के विरुद्ध नगर निगम द्वारा विशेष कार्रवाई लगातार जारी है। इसी क्रम शनिवार को में जिला प्रशासन एवं पुलिस विभाग के सहयोग से वार्ड 15 आचार्य नगर स्थित नाले के ऊपर लगभग 225 मीटर लंबी बाउंड्री वॉल बनाकर किए गए अतिक्रमण को हटाने की कार्रवाई की गई। नाले के प्रवाह क्षेत्र में बाउंड्री वॉल बनाए जाने के कारण पानी की निकासी प्रभावित हो रही थी, जिसके चलते आसपास के लगभग 150 घरों में जलभराव की स्थिति निर्मित हो रही थी। कार्रवाई के दौरान अतिक्रमण हटाकर नाले के प्रवाह को सुचारु किया गया। इस कार्रवाई से लगभग 150 घरों को जलभराव की समस्या से राहत मिलेगी। इसके अतिरिक्त वार्ड क्रमांक 15 में जेसीबी की सहायता से जल निकासी कराई गई। इसी वार्ड के ओम नगर में जलभराव को देखते हुए जेसीबी की सहायता से कच्ची नाली बनाकर पानी की निकासी सुनिश्चित की गई। तिवारी होटल के पास नाली के ऊपर बनाए गए रैप को भी नगर निगम की अतिक्रमण टीम द्वारा हटाया गया। वार्ड क्रमांक 18 में नाली के ऊपर मिट्टी डाल दिए जाने के कारण जल निकासी प्रभावित होने की सूचना पर जेसीबी से नाली की सफाई कराई गई तथा स्ट्रांग रूम में भरे पानी की मड पंप की सहायता से निकासी कराई गई। शंकर लाइट हाउस के पीछे नाले में पत्थर गिर जाने से उत्पन्न जलभराव की स्थिति में भी नाले की सफाई करारकर जल निकासी सुनिश्चित की गई। इसी प्रकार वार्ड क्रमांक 35 घमठठा में नाली की सफाई, वार्ड क्रमांक 4 खेरा पुरानी बस्ती में नाली पर किए गए अतिक्रमण को हटाने की कार्रवाई कर जल निकासी सुनिश्चित कराई गई।

जिले में अब तक 525.8 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज

24 घंटे में हजूर तहसील में 86 मिली मीटर हुई वर्षा रीवा। रीवा जिले में पिछले 24 घंटे के दौरान 20 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है। पिछले 24 घंटे में तहसील हजूर में सर्वाधिक 86 मिलीमीटर, गुढ़ में 36 मिलीमीटर और रायपुर कटुलियान में 16 मिली वर्षा दर्ज की गई। तहसील हजूर क्षेत्र में भारी वर्षा होने से रीवा शहर के कई मोहल्लों में जल भराव की स्थिति बनी। इस संबंध में तहसीलदार भू संसाधन प्रबंधन महेंद्र श्रीवास्तव ने बताया कि तक रीवा जिले में एक जून से अब तक औसतन 525.8 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है। गत वर्ष इसी अवधि तक जिले में 732.5 मिलीमीटर वर्षा हो चुकी थी। इस प्रकार पिछले वर्ष के मुकाबले चालू वर्ष में अब तक करीब 206.7 मिलीमीटर कम वर्षा हुई है। जिले में एक जून से अब तक गुढ़ तहसील 868 मिलीमीटर कुल बारिश के साथ जिले में शीर्ष पर बनी हुई है, जबकि हजूर में 646.3 मिली, रायपुर कटुलियान में 569.3 मिली और जवा में 526 मिली कुल वर्षा दर्ज की गई है। वहीं सिरमौर में 486.4 मिली, सेमरिया में 442 मिली तथा मनगवां में 360 मिली वर्षा हुई है। व्योथर तहसील मात्र 308 मिलीमीटर बारिश के साथ सबसे कम वर्षा वाला क्षेत्र रहा है।

जीएमएच में जच्चा-बच्चा की मौत की उच्चस्तरीय जांच शुरू, 6 सदस्यीय दल ने दर्ज किए बयान, कार्रवाई के बाद डॉक्टरों ने अंसतोष, दो चिकित्सकों और दो नर्सों के निराकरण के बाद अस्पताल में बड़ी नाराजगी,

रीवा। श्याम शाह मेडिकल कॉलेज से संबद्ध गांधी मेमोरियल अस्पताल के गायनी वार्ड में दो दिन पहले प्रसव के दौरान जच्चा और नवजात की मौत के मामले में शासन ने गंभीरता दिखाई है। घटना की वास्तविकता जवाह और कथित लापरवाही की जांच के लिए छह सदस्यीय विशेष जांच दल शनिवार को रीवा पहुंचा। टीम ने श्याम शाह मेडिकल कॉलेज में घटना से जुड़े चिकित्सकों, नर्सिंग स्टाफ और अन्य संबंधित कर्मचारियों के बयान दर्ज करना शुरू कर दिया है। मामले में प्रारंभिक कार्रवाई करते हुए अब तक दो चिकित्सकों और दो नर्सों को निलंबित किया जा चुका है। अचानक हुई इस कार्रवाई के बाद अस्पताल के चिकित्सकों और कर्मचारियों ने अंसतोष की स्थिति बताई जा रही है। वहीं, शासन द्वारा गठित जांच दल अब पूरे घटनाक्रम की बारीकी से पड़ताल कर रहा है, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि प्रसव के दौरान महिला की मौत किन परिस्थितियों में हुई और उपचार में किसी स्तर पर लापरवाही बरती गई या नहीं। अस्पताल अध्यक्ष डॉ. राहुल मिश्रा के अनुसार मृतिका कल्पना मिश्रा की हालत अचानक पहुंचने के समय से ही गंभीर थी। प्रसव के दौरान उनके प्लेसेंटस काफी कम हो गए थे और ब्लड प्रेशर अचानक बढ़ गया था। चिकित्सकीय स्थिति बिगड़ने के कारण महिला और नवजात दोनों की मौत हो गई। घटना के दौरान महिला के अत्यधिक विचलित होने का वीडियो भी सामने आया था, जिसके बाद मामला और गंभीर हो गया। वीडियो और घटना से जुड़े अन्य तथ्यों को भी जांच के दायरे में रखा जा रहा है।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने उच्च शिक्षा मंत्री के नाम कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

महाविद्यालयों में मूलभूत सुविधाओं का अभाव 17 सूत्रीय मांगों को लेकर प्रदर्शन



मऊगंज। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, जिला मऊगंज ने जिले के शासकीय महाविद्यालयों की बर्दहाल स्थिति को लेकर प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार के नाम कलेक्टर के माध्यम से 17 सूत्रीय मांग-पत्र सौंपा है। जिला संयोजक सुंदरम मिश्रा के नेतृत्व में पौषण्ठ महाविद्यालय मऊगंज से कलेक्टर पहुंचकर कार्यकर्ताओं ने ज्ञापन सौंपते हुए तत्काल सुधार की मांग की। ज्ञापन में परिषद ने कहा है कि मऊगंज जिला नवगठित है और यहां बड़ी संख्या में विद्यार्थी शासकीय महाविद्यालयों में अध्ययनरत हैं। महाविद्यालय शैक्षणिक एवं व्यक्तित्व विकास का केंद्र होते हैं, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि अधिकांश कॉलेजों में पीने के शुद्ध पानी, बैठने के लिए बेंच-डेस्क, प्रकाश व्यवस्था और स्वच्छ शौचालय जैसी प्राथमिक सुविधाओं का भी अभाव है अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद का आरोप है कि कई

महाविद्यालय में लगे वाटर कूलर और आरो मशीनें महीनों से खराब पड़ी हैं, छात्र-छात्राओं के लिए पर्याप्त शौचालय नहीं हैं, वहीं छात्राओं के लिए आवश्यकता अनुसार सुविधाओं की व्यवस्था नहीं होने से उन्हें भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। कक्षाओं में पंखे-बिजली खराब हैं, पुस्तकालय में पाठ्यक्रम के अलावा प्रतियोगी परीक्षाओं की पुस्तकें नहीं हैं और प्रयोगशालाओं में उपकरण नब्बड़ हैं।उच्च शिक्षा मंत्री के नाम कलेक्टर मऊगंज को सौंपे 17 सूत्रीय गाए ज्ञापन में स्वच्छ पेयजल, स्वच्छ एवं सुरक्षित शौचालय, कक्षाओं की अद्योसंरचना, ई-लाइब्रेरी युक्त पुस्तकालय, प्रयोगशालाओं का उन्नयन, खेल मैदान व खेल सामग्री, प्लास्टिक मुक्त एवं हरित परिसर, बैठने हेतु बेंच व शेड, बाउंड्रीवॉल मरम्मत के साथ सीसीटीवी व सुरक्षा गार्ड, व्यवस्थित वाहन पार्किंग, वाई-फाई एवं डिजिटल सुविधा, दिव्यांग विद्यार्थियों हेतु रैंप, फर्स्ट-एड कक्ष,

नईगढ़ी में महंगाई के खिलाफ कांग्रेस का प्रतीकात्मक प्रदर्शन



महंगाई पर कांग्रेस का अनोखा तंज: गैस सिलेंडर की पूजा, लोगों को बांटी चुटकी भर चीनी

मऊगंज। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमिटी के आह्वान पर ब्लॉक कांग्रेस कमिटी नईगढ़ी, जिला मऊगंज द्वारा बढ़ती महंगाई के विरोध में एक अनोखा और प्रतीकात्मक प्रदर्शन किया गया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने नईगढ़ी के पेट्रोल पंप के सामने एकत्रित होकर केंद्र और राज्य सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शन का मुख्य मुद्दा रोजमर्रा की चीजों के बेतहाशा बढ़ते दाम थे। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि पेट्रोल-डीजल, रसोई गैस सिलेंडर, चीनी और बिजली के बिल की कीमतों में लगातार हो रही वृद्धि ने आम आदमी की कमर तोड़ दी है। गरीब और मध्यम वर्गीय परिवार के लिए रसोई चलना मुश्किल हो गया है। कंधे पर गैस सिलेंडर और हाथों में चीनी के पैकेट

इस प्रदर्शन में ब्लॉक कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने बड़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम का नेतृत्व जिला कांग्रेस कमिटी मऊगंज के जिला उपाध्यक्ष नूपेन्द्र सिंह पिटू और ब्लॉक कांग्रेस कमिटी नईगढ़ी के अध्यक्ष अखिलेश पटेल ने किया। इस अवसर पर रामसजीवन सोनी, शीतला प्रसाद कुशवाहा, रिसराज पांडे, श्यामबिहारी मिश्रा, विष्णु प्रताप सिंह, बृजेश पटेल, देवेंद्र मिश्रा, रामजी पटेल, शोभमणि पटेल, सलमान नखन धर द्विवेदी कान्हा मिश्रा अंकित वर्मा लवकुश साकेत अमन सिंह नयन धर द्विवेदी कान्हा मिश्रा अंकित वर्मा लवकुश साकेत सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन उपस्थित रहे।